ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -24 | नवम्बर - II - 2022 | अंक - 16 | माउण्ट आबू | Rs.-10

कार्यक्रम • अहमदाबाद सिंगरवा क्षेत्र में स्थित 'खुशराज़ी भवन' का लोकार्पण, सर्व सुविधायुक्त इस भव्य भवन के लिए सभी ने दी शुभकामनाएं

प्रभु पालना में होगी यहां सीनियर सिटिज़न की परवरिश : दादी

अहमदाबाद। संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि खुशराज़ी भवन सबके जीवन में खुशियां लायेगा और परमात्मा की प्रत्यक्षता का केंद्र बनेगा। जिसमें विशेष रूप से सीनियर सिटिज़न की प्रभु पालना में परवरिश होगी। वे बाबा की सेवा करते-करते अपने अनुभव से दूसरों के जीवन में भी प्रेरणा के स्रोत बनेंगे। दादी ने उक्त विचार अहमदाबाद के सिंगरवा क्षेत्र में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा नवनिर्मित 'खुशराज़ी भवन' का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किये। दादी ने ऐसे सुविधायुक्त बने खुशराज़ी भवन के लिए बधाई दी और कहा कि अब जल्दी ही बाबा की प्रत्यक्षता होकर रहेगी। गुजरात विधानसभा स्पीकर डॉ. निमा आचार्य ने उम्मीद जताते हुए कहा कि यह भवन जिस मकसद से बनाया गया है उसमें ज़रूर कामयाब होगा। यह ऐसा भवन है जहाँ व्यक्ति खुश भी रहेगा और राज़ी भी रहेगा। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. करुणा भाई ने कहा कि समय प्रमाण यह भवन बाबा की प्रेरणा से ही बना है, जिसमें ज़रूरतमंद भाई-बहनों की सेवा हो सके। इसके साथ ही खुशराज़ी भवन के निमित्त ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के सेक्रेट्री ब्र.कु.ललित ने कहा कि युवा अवस्था में परमात्म सेवा में हड्डी-हड्डी स्वाहा करने वाले अब वरिष्ठ एवं अनुभवी राजयोगी भाई-बहनों के लिए अहमदाबाद शहर के किनारे शांत और मनोरम स्थान पर उनके स्वास्थ्य और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए इस भवन का निर्माण किया गया है। कार्यक्रम में मेडिकल प्रभाग के सचिव ब्र.कु.डॉ. बनारसी, गांधीनगर सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. कैलाश दीदी, मणिनगर सुख-शांति भवन सबज़ोन संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु.नेहा बहन, ब्रह्माकुमारीज़ गुजरात ज़ोन संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. भारती दीदी, गुजरात की सबज़ोन संचालिका ब्र.कु. दमयंती दीदी, महादेवनगर सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रिका दीदी ने भी अपनी शुभकामनाएं दी। संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने भवन का अवलोकन किया। संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी ने भी भवन का अवलोकन किया एवं एक-एक सुविधा की जानकारी प्राप्त की। उनके साथ शक्ति भवन की ब्र.कु. हंसा बहन, यू.के. से ब्र.कु. हारिका बहन, ब्र.कु. कानन बहन, स्थानीय विधायक प्रदीप सिंह जडेजा एवं वल्लभ भाई काकड़िया, नवरंगपुरा सेवाकेंद्र प्रभारी ब्र.कु.ईशिता बहन समेत गुजरात के वरिष्ठ लोगों की विशेष उपस्थिति रही।

अमेरिका से विडियो के ज़रिए शुभकामना संदेश

कार्यक्रम के दौरान संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी का अमेरिका से भेजा गया विडियो बधाई संदेश दिखाया गया तथा संस्थान के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर भाई द्वारा भेजा गया ऑडियो मैसेज बधाई संदेश सभा में सुनाया गया।

नवनिर्मित ख़ुशराज़ी भवन

सात मंज़िला 'खुशराज़ी भवन' में

- **200** से ज़्यादा लोगों के रहने की सुविधा से लैस 140 कमरे
- साथ में किचन, डायनिंग, लाइब्रेरी, सेमी आई.सी.यू, फिज़ियोथेरेपी
- एयर कन्डिशनर रूम्स, एयर कन्डिशनर सिटिंग हॉल, 24 घंटे गरम पानी
- दो लिफ्ट, हर फ्लोर पर स्टील के दो-दो झूले, गेम ज़ोन
- हर रोज़ की ज़िंदगी में उमंग-उत्साह बनाये रखने हेतु प्रतिदिन मुरली सुनने के लिए हॉल
- बाबा का कमरा तथा रहने के लिए हर कमरे में सुविधाजनक व्यवस्था

न्यूज़ और व्यूज़ के अंतर को समझने में सही आत्मनिरीक्षण ज़रूरी- अजय कौल

मीडिया कार्यशाला : ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा चलाया जा रहा राष्ट्रीय अभियान 'समाधान परक पत्रकारिता से समृद्ध भारत की ओर'

पत्रकारों एवं मीडियाकर्मियों हेतु स्व सशक्तिकरण कार्यशाला

नई दिल्ली। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया प्रभाग द्वारा पत्रकारों एवं मीडिया कर्मियों हेतु आयोजित 'आंतरिक सशक्तिकरण' कार्यशाला में यूएनआई के प्रधान संपादक अजय कौल ने कहा कि मीडिया में अंतरावलोकन होना बेहद आवश्यक है क्योंकि कई बार कुछ समाचार हमें भ्रमित करते हैं। मीडिया बहुत शक्तिशाली है और उसके नुकसान की संभावना भी बहुत है। अतः न्यूज़ और व्यूज़ के अंतर को स्पष्ट रूप से समझना होगा और निश्चित रूप से इसके लिए सही आत्म निरीक्षण ज़रूरी है। ये आत्म निरीक्षण की शक्ति हमें राजयोग मेडिटेशन से ही प्राप्त होगी। डीयू पत्रकारिता विद्यालय के निदेशक प्रो. जे.पी. दुबे ने कहा कि हमें चेतना का उपयोग स्वयं के, समाज के और देश के उत्थान के लिए करना चाहिए। इंटरएक्टिव बीज़ प्राइवेट लिमिटेड की निदेशिका ब्र.कु. मोनिका गुप्ता ने बताया कि मन में उत्पन्न विचारों से कैसे हम अपने श्रेष्ठ व्यक्तित्व और भाग्य का निर्माण कर सकते हैं। इसके लिए आत्मा को परमात्मा के साथ सम्बन्ध जोड़कर विचारों को शुद्ध और शुभ बनाना होगा। निस्कोर्ट मीडिया गाज़ियाबाद की प्रधानाचार्य प्रो. रितु दुबे तिवारी ने कहा कि मीडिया कर्मियों को तन, मन और सामाजिक रूप से निरोगी और उपयोगी के साथ-साथ सहयोगी बनना होगा तब ही हम समाज और देश को कुछ दे पाएंगे। भारतीय महिला प्रेस कोर्प्स,नई दिल्ली की अध्यक्ष शोभना जैन ने कहा कि मीडिया की समाज और देश में क्या भूमिका है इसके लिए आत्ममंथन और आत्मचिंतन की ज़रूरत है और इसके लिए ब्रह्माकुमारीज़ बहुत अच्छी तरह अपने अंदर झांकने और आत्मा व परमात्मा की पहचान दे रही है। डीडी न्यूज़ के संपादक मनीष वाजपेयी ने कहा कि मीडिया का काम है ऐसे मध्यस्थता करना जिसमें समाज एवं राष्ट्र का हित हो। ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. सुशान्त ने कार्यशाला के विषय को स्पष्ट करते हुए कहा कि हम सभी एक-एक मीडिया हैं। मीडिया में देने की भावना से ही शक्ति का संचार होगा। उन्होंने कहा कि हमारा इंटेंट ही हमारे कंटेंट को परिभाषित करता है। अगर मीडिया में उत्कृष्टता को प्राप्त करना है तो अपने जीवन में आध्यात्मिकता और राजयोग मेडिटेशन को आधार बनाना होगा। दिल्ली व रशिया स्थित सेवाकेंद्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु.चक्रधारी दीदी ने बताया कि यदि समस्या घर की हो तो उसे घर का मुखिया ठीक करता, ग्राम, शहर, जिला, राज्य या देश की हो तो उसका मुखिया ठीक करता परंतु यदि समस्या वैश्विक हो तो उसे विश्व का मुखिया अर्थात् परमात्मा ही आकर सुधारते हैं। पापाचार, भ्रष्टाचार, दुराचार आदि वैश्विक समस्याएं हैं। मौके पर इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के महासचिव परमानंद पांडे, अखिल भारतीय लघु समाचार पत्र संघ लखनऊ के अध्यक्ष शिवशंकर त्रिपाठी, भारतीय मीडिया कल्याण संघ के अध्यक्ष राजीव निशाना एवं भारतीय प्रेस काउंसिल की सदस्य आरती त्रिपाठी ने भी विचार रखे। मोटिवेशनल स्पीकर एवं मेमोरी ट्रेनर(गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर) डॉ. अदिति सिंघल ने मंच संचालन किया व ब्र.कु. गणेश जोशी ने सभी मेहमानों का स्वागत किया।

किसने क्या कहा...

- "चेतना का उपयोग उत्थान के लिए हो - प्रो. जे.पी. दुबे
- "सार्थक मीडिया संवाद के लिए आत्मचिंतन और आत्ममंथन ज़रूरी - शोभना जैन
- "शुद्ध और शुभ विचारों से ही होता है व्यक्तित्व का निर्माण - मोनिका गुप्ता
- "मीडिया को निरोगी, उपयोगी के साथ सहयोगी बनना होगा- प्रो. रितु दुबे तिवारी
- "मीडिया की मध्यस्थता समाज एवं राष्ट्र के हित में हो - मनीष वाजपेयी
- "वैश्विक समस्या का परमात्मा द्वारा ही होगा निराकरण - ब्र.कु. चक्रधारी दीदी